INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI (2nd lang.)	Department: Hindi	
Lesson -10- ऐसे-ऐसे	Topic: Questions, answers and Grammar.	**Note: Pl. write in your note book**

पाठ - 10 - ऐसे-ऐसे I

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. मोहन ने पिता के दफ़्तर में क्या खाया था?

उत्तर- मोहन ने पिता के दफ़्तर में एक केला और एक संतरा खाया था।

प्रश्न 2. वैद्य जी को बुलाकर कौन लाया?

उत्तर- मोहन के पड़ोसी वैद्य जी को बुलाकर लाए थे।

प्रश्न 3. मोहन को वात का प्रकोप है- यह कारण वैद्य जी ने कैसे जाना?

उत्तर- वैद्य जी मोहन की नाड़ी दबाकर जाना ।

प्रश्न 4. मोहन ने स्कूल न जाने के लिए क्या बहाना बनाया?

उत्तर- मोहन ने स्कूल न जाने के लिए बहाना बनाया कि उसके पेट में 'ऐसे- ऐसे' दर्द हो रहा है।

प्रश्न 5.क्या मोहन के पेट में सचमुच दर्द था ?

उत्तर-नहीं,मोहन के पेट में कोई दर्द नहीं था। वह केवल बहाना कर रहा था।

प्रश्न 6- मोहन के उपचार में पिता जी के कितने रुपए खर्च हुए ?

उत्तर-मोहन के उपचार में पिता जी के पन्द्रह रुपए खर्च हुए ।

प्रश्न 7- मोहन कैसा लड़का था ?

उत्तर- मोहन एक शरारती लड़का था ।

प्रश्न - 8- मोहन की माँ की चिंता का क्या कारण था?

उत्तर मोहन की माँ की चिंता का कारण था किसी नई बीमारी की आशंका।

प्रश्न -9- डॉक्टर के अनुसार मोहन को कौन-सी बीमारी थी ?

उत्तर- डॉक्टर के अनुसार मोहन को बदहज़मी हो गई थी।

प्रश्न -10- मोहन ने महीने भर मौज़ क्यों की ?

उत्तर - मोहन ने महीने भर मौज़ स्कूल में छुट्टियाँ होने के कारण की।

लघु उत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न 1- माँ मोहन के 'ऐसे-ऐसे' कहने पर क्यों घबरा रही थी?

उत्तर- माँ का घबराना स्वाभाविक था क्योंकि मोहन कुछ बताता ही नहीं था बस ऐसे-ऐसे किए जा रहा था। माँ ने सोचा पता नहीं यह कौन-सी बीमारी है और कितनी भयंकर है। इसलिए मोहन की माँ घबरा गई थी।

प्रश्न 2- ऐसे कौन-कौन से बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी एक ही बार सुनकर समझ जाते हैं? ऐसे कुछ बहानों के बारे में लिखो।

उत्तर- पेट दर्द, सिर दर्द, बुखार, माता-पिता के साथ कहीं जाना, माता-पिता द्वारा किसी काम के लिए कहा जाना,शादी में जाना,बस छूट जाने का बहाना,माँ की बीमारी का बहाना इत्यादि।

प्रश्न 3. क्या आप स्कूल का काम न करने पर उल्टे-सीधे बहाने बनाते हो?

उत्तर- नहीं, मैं स्कूल का काम नहीं कर पाने पर कोई बहाना नहीं बनाता।मैं माँ को साफ़-साफ़ बता देता हूँ कि आज मैं स्कूल न जाकर गृह कार्य पूरा करूँगा। तभी अगले दिन स्कूल जाऊँगा। मुझे झूठ बोलना कतई पसंद नहीं है।

प्रश्न 4. वैद्य जी ने मोहन को देखने के बाद क्या कहा ?

उत्तर- वैद्य जी मोहन को देखकर कहा कि घबराने की कोई बात नहीं। मामूली बात है, पर इससे कभी-कभी बड़े भी तंग आ जाते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

प्रश्न 1 - मोहन की हालत देख माँ क्यों अधिक परेशान थी?

उत्तर- मोहन की हालत देखकर मोहन की माँ ने मोहन को हींग, चूरन, पिपरमेंट आदि दिया था, पर मोहन ठीक नहीं हुआ था। वह बार-बार कहता था कि उसके पेट में ऐसे-ऐसे हो रहा है। माँ उसकी हालत देखकर परेशान थी क्योंकि मोहन को क्या हो रहा है, यह पता नहीं चल रहा था। उसने 'ऐसे-ऐसे' की बीमारी का नाम न सुना था। वह सोच में पड़ गई थी कि उसे कोई नई बीमारी तो नहीं हो गई है इसीलिए वह मोहन की हालत देखकर परेशान थी।

प्रश्न 2 - ऐसे- ऐसे अध्याय से हमें क्या शिक्षा मिलती है वर्णन कीजिए।

उत्तर- ऐसे- ऐसे अध्याय से हमें झूठ ना बोलने तथा समय पर कार्य करने की शिक्षा मिलती है। मोहन एक शरारती तथा लापरवाह लड़का है। वह पूरे महीने आराम से खेल-कूद कर छुट्टियाँ बिताता रहा और पढ़ाई की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। जिससे उसे अपने माता-पिता से झूठ बोलना पड़ा और बीमारी का बहाना बनाना पड़ा। हमें कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए झूठ बोलना हमारे लिए खतरनाक साबित हो सकता है। यदि मोहन अपने माता-पिता से झूठ बोलता रहता और अध्यापक नहीं आते तो उसके माता-पिता परेशान रहते और उसे अलग-अलग दवाइयां खिलाते रहते जिससे उसके शरीर को नुकसान पहुँच सकता था ।

प्रश्न 3 -ऐसे कौन-कौन से बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी एक ही बार में सुनकर समझ जाते हैं। ऐसे कुछ बहानों के बारे में लिखो।

उत्तर - ऐसे अनेक बहाने होते हैं; जैसे-आज स्कूल में कुछ नहीं होगा, बस सफ़ाई कराई जाएगी। कुछ छात्र कहते हैं कि मैं रात में पढ़ाई कर रहा था मेरी किताब और कॉपी वहीं छूट गई। कभी-कभी छात्र दूर के रिश्तेदार की बीमारी का बहाना बना लेते हैं। इसके अलावा छात्र पेट दर्द, सिर दर्द, माता-पिता के साथ कहीं जाना, जिन्हें एक ही बार सुनकर मास्टर जी समझ जाते हैं।

शब्दार्थ -

बैठक -बैठने का कमरा-sitting room

बरामदा- balconyतख्त- a bench

(from) बेचैन- परेशान –forlorn, distress , worried

सेंकना –गरम पानी की भाप देना –warming , heating

यकायक-अचानक- suddenly

रट लगाना-एक ही बात बार-बार कहना- to repeat the same

तकलीफ़ - कष्ट - pain

कल पड़ना - आराम मिलना – to obtain ease or relief

हींग – asafoetida

चूरन – a digestive powder

गुलज़ार- चहल-पहल – to create a bustle

नटखट – चंचल naughty

रुआँसा –सा – रोने जैसी सूरत -tearful

खुराक – दवा खाने की मात्रा single dose of medicine

व्याकरण भाग-

अनुस्वार की परिभाषा- अनुस्वार के उच्चारण में 'अं' की ध्वनि मुख से निकलती है। हिंदी में लिखते समय इसका प्रयोग शिरोरेखा के ऊपर बिंदु लगाकर किया जाता है। इसका प्रयोग 'अ' जैसे किसी स्वर की सहायता से ही संभव हो सकता है;

जैसे – संभव। इसका वर्ण-विच्छेद करने पर 'स् + अं (अ + म्) + भ् + अ + व् + अ' वर्ण मिलते हैं। इस शब्द में अनुस्वार 'अं' का उच्चारण (अ + म्) जैसा हुआ है, पर अलग-अलग शब्दों में इसका रूप बदल जाता है; जैसे

संचरण = स् + अं (अ + न्) + च् + अ + र् + अ + ण् + अ

संभव = स् + अं (अ + म्) + भ् + अ + व् + अ ।

संघर्ष = स् + अं (अ + ङ्) + घ् + अ + र् + ष् + अ

प्रश्न 1- नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए शब्दों का मानक रूप लिखिए

नालदा, अतर, सक्षिप्त, अबर, चद्रमा, सघर्ष, अक, गङ्गा, जगली, तगी, तबाकू, पखुड़ी, कपन, , पकज, बजारा।

उत्तर: नालंदा, अंतर, संक्षिप्त, अंबर, चंद्रमा, संघर्ष, , यंत्र, अंक, गंगा, जंगली, तंगी, तंबाकू, पंखुड़ी, कंपन, पंकज, बंजारा।

अनुनासिक की परिभाषा- जिन स्वरों के उच्चारण में मुख के साथ-साथ नासिका की भी सहायता लेनी पड़ती है। अर्थात् जिन स्वरों का उच्चारण मुख और नासिका दोनों से किया जाता है वे अनुनासिक कहलाते हैं। इनका चिह्न चन्द्र बिन्दु (ँ) है।

प्रश्न 2. नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग करके शब्दों को पुनः लिखिए-

बंटवारा, , आंख, हंसमुख, अंगड़ाई, आंचल, सांस, कहां, ऊंट, आंवला, आंधी, कांटा, गांव, चांदनी, आंसू, ऊंचाई, जांच, टांग, डांट, पहुंचना।

उत्तर: बँटवारा, आँख, हँसमुख, अँगड़ाई, आँचल, साँस, कहाँ, ऊँट, आँवला, आँधी, काँटा, गाँव, चाँदनी, आँसू, ऊँचाई, जाँच, टाँग, डाँट, पहुँचना।

प्रश्न 3 - निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए:-

1 - शत्रु - शत्रुता

2 - हँसना - हँसी

3 - वीर - वीरता

4 - एक - एकता

5 - माता - मातृत्व

6 - हरा - हरियाली

7 - चंचल - चंचलता

8 - गाना - गीत

प्रश्न 4 - निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:-

1-उन्नीस -बीस का अंतर- (बहुत कम अंतर होना)- सोहन और मोहन जुड़वा भाई हैं उन दोनों में उन्नीस -बीस का ही अंतर है।

2 - उँगली उठाना- (आरोप लगाना)- सज्जन व्यक्तियों के चरित्र पर उँगली उठाना बहुत गलत बात है।

3-एड़ी चोटी का जोर लगाना (खूब परिश्रम करना)- मेरी बहन ने कक्षा में प्रथम आने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाया था।

4-अंग - अंग ढीला होना (बहुत थक जाना)-सुबह से काम करते-करते मेरा तो अंग- अंग ढीला हो गया है।

5-दुम दबाकर भागना (चुपचाप खिसक जाना)- पुलिस को आता देख कर चोर दुम दबाकर भाग गया।

6-पीठ दिखाना - (पीछे हटना)- भारतीय वीर सिपाही कभी युद्ध में पीठ नहीं दिखाते।

****